

## सुनेहा साडा देवीं श्याम नू कागा कालिया

कागा उडदा उडदा जावीं,  
सुनेहा साडा देवीं श्याम नू, कागा कालिया ।  
साडी बिरथा आख सुनावीं,  
सुनेहा साडा देवीं श्याम नू, कागा कालिया ॥

तेरे बिना रुकी साडी जिंदगी दी चाल वे,  
तेरी याद किता सानु हाल बेहाल वे ।  
आवीं आवीं वे कन्हैया मुड़ आवीं,  
सुनेहा साडा देवीं श्याम नू, कागा कालिया ॥

आखीं तेरी याद विच रोंदे गावां वछे ने,  
गोपी ग्वाल रोंदे, रोंदे मांवा बच्चे ने ।  
राधा बाँवरी ते तरस तू खार्वीं,  
सुनेहा साडा देवीं श्याम नू, कागा कालिया ॥

मानसी गंगा गिरिराज गोवर्धन,  
सूने मधुवन निधिवन वृन्दावन ।  
सुक्की यमुना च जल बरसावीं,  
सुनेहा साडा देवीं श्याम नू, कागा कालिया ॥

आखदा 'मधुप' साडे टूट गए ने साज वे,  
ना वज्जे बांसुरी, ना पैंदी किते रास वे ।  
रंग बरसीं ते झूले झुलावीं,  
सुनेहा साडा देवीं श्याम नू, कागा कालिया ॥

स्वर : [सर्व मोहन \(टीनू सिंह\)](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1665/title/suneha-sada-devin-shyam-nu-kaga-kaleya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |